भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 313
19 जुलाई, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

मात्स्यिकी में वैज्ञानिक तरीकों को शामिल किया जाना

313. श्री अनुराग शर्माः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन तरीकों का ब्यौरा क्या है जिनके माध्यम से सरकार मात्स्यिकी की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ निर्यात और घरेलू उपयोग के प्रयोजनों के लिए उत्पादन में सुधार के लिए वैज्ञानिक तरीकों को शामिल कर सकती है; और
(ख) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क): व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण फिनफिश/शेलफिश प्रजातियों के लिए मीठे पानी और खारे पानी प्रणालियों में तालाब आधारित जलीय कृषि के क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर विस्तार (हॉरिजॉन्टल एण्ड वर्टिकल एक्सपैनशन) को अपनाकर, अंतर्देशीय खारे पानी में झींगा की खेती, रेसवे में ठंडे पानी की प्रजातियों की खेती,आधुनिक कृषि पद्धतियों के माध्यम से उच्च-मूल्यवान प्रजातियों की खेती, खुले समुद्र में केज कल्चर,अंतर्देशीय खुले पानी में केज और पैन कल्चर, एकीकृत मत्स्य खेती इत्यादि द्वारा घरेलू और निर्यात बाजार के लिए मत्स्य उत्पादन में सुधार लाया जा सकता है। इसके अलावा, कृषि प्रणालियों में रोहू, कैटला, और मीठे पानी के झींगे के चुनिंदा रूप से पाली हुई नस्लों (सिलेक्टिव-ब्रड) के बेहतर स्टॉक के समावेशन, गुणवत्ता वाले फ़ीड और मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए आवश्यक तरीकों का उपयोग विभिन्न कल्चर (खेती) प्रणालियों में उत्पादन और उत्पादकता में सुधार लाने के अन्य प्रबंधन उपाय हैं। व्यापक रूप से अपनाए जाने के लिए, प्रशिक्षण और प्रदर्शन के माध्यम से आवश्यकता आधारित मत्स्य पालन और जलीय कृषि प्रौद्योगिकियों को प्रसारित किया जा सकता है। मत्स्य गुणवत्ता प्रबंधन, मत्स्य संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ मत्स्यन पर मछुआरों, मछुआरिनों, प्रसंस्करण श्रमिकों, तकनीशियनों, अन्य मत्स्य हितधारकों आदि को ज्ञान प्रदान करके मात्स्यिकी की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है।

(ख): भारत सरकार अपने विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से कई कदम उठा रही है। मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, अपनी प्रमुख योजना "प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के माध्यम से - 20,050 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता, गुणवत्ता और स्वच्छता और आधुनिकीकरण और आपूर्ति और मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए मूल्य श्रृंखला में प्रौद्योगिकी के उपयोग का समर्थन कर रहा है। पीएमएमएसवाई के तहत, तालाबों में उच्च-घनत्व जलीय कृषि, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस), बायो-फ्लोक, एक्वापोनिक्स, केज कल्चर, नैनो-फीड, लाइव फीड टेक्नोलॉजी, ब्लॉक चेन, मूल्य वर्धन, परिरक्षण एवं विपणन आदि सहित उत्पादन और फसलोत्तर (पोस्ट हार्वेस्ट) प्रबंधन में नई और बेहतर तकनीकों को अपनाने को सरकार बढ़ावा दे रही है।

इसके अलावा, भारत सरकार सुरक्षा किट प्रदान करके और नावों और पीएफजेड उपकरणों को उपलब्ध कराकर मछुआरों के बचाव और सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही है। इसके अलावा, सरकार प्रमाणन, मान्यता, पता लगाने की क्षमता (ट्रेसिबिलिटी) और लेबलिंग और मोबाइल यूनिट सहित जलीय जीव स्वास्थ्य प्रयोगशाला के प्रस्तावों का समर्थन करती है। लोगों को सस्ता पोषण प्रदान करने हेतु घरेलू मत्स्य बाजार विकसित करने के प्रति सरकार सचेत है और तदनुसार जिंगल, पोस्टर और आईईसी सामग्री के माध्यम से घरेलू मत्स्य खपत पर राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा, देश में नई प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से नियमित आधार पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां आदि आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा, मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और समाप्त हुए स्टॉक के पुनर्निर्माण के लिए देश के जल निकायों में जैव विविधता को बनाए रखने और संरक्षित करने के लिए समुद्र एवं नदी में रैनचिंग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

*****